epaper.patanexpress.in

पाटन एक्सप्रेस दै.

DAILY PATAN EXPRESS (का.एवं फैक्स) 231263, (नि.) 294186 मो. 9829229163

Email :patanpress@gmail.com
dilipsoni16471@gmail.com

वर्ष-42 अंक - 40 आर.एन.आई. नं. 35296/80 गुरूवार 23 दिसम्बर, 2021 झालावाड मूल्य 1.00 रूपया पेज 2 प्रभात

व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए प्रस्तुतीकरण कौशल प्रशिक्षण सम्पन्न

झालावाड 22 दिसम्बर "पाटन एक्सप्रेस दै."। कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, डॉ. अर्जुन कुमार वर्मा ने बताया कि भारत सरकार के अधीनस्थ आनंद कृषि विश्वविद्यालय परिसर में स्थित प्रसार शिक्षण संस्थान, आनंद (गुजरात) एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय प्रशिक्षण व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए प्रस्तुतीकरण कौशल विषय का समापन किया गया। जिसमें झालावाड़ जिले के प्रसार कार्यकर्ताओं में कृषि विभाग, पंजाब नेशनल बैंक-कृषक प्रशिक्षण केन्द्र, झालरापाटन एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रतिभागियों (वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी, सहायक कृषि अधिकारी, तकनीकी सहायक एवं कृषि पर्यवेक्षक) ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आई. बी. मौर्य, अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय,, ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार का प्रशिक्षण सभी विभागों के कर्मचारियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। आगे उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण टूल्स के माध्यम से जो ज्ञान, कौशल एवं व्यक्तित्व प्राप्त किये उसे प्रभावी तरीके से किसानों को पूर्ण शिद्दत के साथ पहुँचाना सुनिश्चित करें। किसानों का चयन करते समय उसके पास उपलब्ध स्थानीय संसाधनों को ध्यान में रखते हुए ताकि उन तक नवीनतम कृषि तकनीक सुगमता से पहुँचाई जा सके।

उद्घाटन सत्र में सत्येन्द्र पाठक, उपनिदेशक कृषि विस्तार, जिला परिषद् ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्मिकों में एक अलग ही व्यक्तित्व विकास, कौशल एवं ज्ञान के साथ उन्नत कृषि तकनीकों के संदेश को सही विधि से किसानों तक पहुँचाने में सहायक सिद्ध होते है जो कि उनके विभागों के कार्यों के सम्पादन के लिए भी लाभदायक होते है।

भवानीशंकर मीणा, डीडीएम, नाबार्ड, ने किसान हितार्थ में नाबार्ड एवं सरकार द्वारा संचालित विभिन्न प्रकार की योजनाओं का लाभ दिलाने को प्राथमिकता के साथ क्रियान्वयन करवाएं। किसानों को फसलोत्पादन से लेकर विपणन तक पूरी चैन के माध्यम से एफपीओ बनाकर जोड़ें। जिससे कृषिगत लागत में कटौती के साथ उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त हो सके।

रामकुँवार वर्मा, सहायक निदेशक कृषि विस्तार, ने अपने उद्बोधन में प्रशिक्षणार्थियों को सुनने एवं बोलने की कला को प्रशिक्षण से जोड़ते हुए कहा कि प्रशिक्षणार्थी अपनी सुनने की कौशलता एवं बोलने की योग्यता पर पुरजोर देवें। ताकि किसान समुदाय तक कृषि तकनीक पहुँचाना सुनिश्चित हो। ये प्रशिक्षण कृषि विभाग कार्मिकों के लिए बहुत ही लाभदायक सिद्ध होगा।

डॉ. बी. एस. दिवेकर, पाठ्यक्रम निदेशक, प्रसार शिक्षा संस्थान, आनन्द (गुजरात) ने कार्यक्रम से सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारी दी एवं प्रशिक्षण में होने वाले प्रायोजित एवं सैद्धान्तिक गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही संचार कौशल एवं सार्वजनिक भाषण विषय पर पॉवरप्वाईंट प्रस्तुतिकरण दी गई। संचार में सकारात्मक व्यक्तित्व होना जरूरी है।

डॉ. योगेश कुमार राठवा, ईईआई, आनन्द ने ग्राफिक डिजाईन एवं सार्वजनिक भाषण पर विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों का ज्ञानार्जन करवाया। साथ ही बताया कि जीवन में प्रभावी संचार एवं संदेश दोनों को एक-दूसरे से जोड़ते हुए उचित कृषि तकनीकों द्वारा किसानों को लाभान्वित कराएं। श्री विश्वजीत पटेल, ईईआई, आनन्द ने ई-कॉन्फ्रेन्सिंग, पश्चावलोकन एवं सफलता की कहानी कैसे बनाएं विषयों पर प्रकाश डाला। केन्द्र के प्रसार वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के सम्पर्क अधिकारी डॉ. मौहम्मद युनुस ने नॉन वर्बल संचार विषय पर प्रकाश डालते हुए मंच संचालन किया। इस प्रशिक्षण में केन्द्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. सेवा राम रूण्डला, श्री अरविन्द नागर (उद्यान वैज्ञानिक), सुश्री सुनीता कुमारी, तकनीकी सहायक एवं दिनेश कुमार चौधरी (एसआरएफ) ने भाग लेते हुए कार्यक्रम संचालन में सहयोग प्रदान किया।